B.M.A COLLEGE , BAHERI,DARBHANGA
(A CONSTITUENT UNIT OF LNMU)
BA DEGREE-2
HISTORY (SUB./GEN.)
UNIT-5(B)
DEPARTMENT OF HISTORY
PANKAJ KR.MISHRA
DATE-11/09/2020

TOPIC- असहयोग आंदोलन(1920 ई०)

Part-5

Scanned with CamScanner

क्या आंदोलन असफल रहा ?

स्वराज के लक्ष्य को लेकर चला यह आंदोलन अपने लक्ष्य को पाने के पहले ही समाप्त घोषित कर दिया गया। गाँधी का एक वर्ष के अंदर स्वराज प्राप्त करने का नारा झूठा साबित हुआ। स्वराज की बात तो दूर अंग्रेजों ने छोटी-मोटी रियायतें भी नहीं दी। किन्तु इस आधार पर इस आंदोलन को असफल नहीं माना जा सकता है। क्योंकि इसकी कई उपलब्धियाँ रही। इससे जनता को एक व्यापक संघर्ष के लिए तैयार किया। वस्तुतः यह आंदोलन समाप्त नहीं हुआ था बल्कि स्थगित किया गया था। जैसा कि गाँधी ने स्वयं कहा था 'जो संघर्ष 1920 ई० में शुरू हुआ वह निर्णायक संघर्ष है चाहे वह एक महीना या एक साल चले चाहे कई महीनों या कई वर्षों तक'।

असहयोग आंदोलन की उपलब्धियाँ

i) असहयोग आंदोलन ने दिखाया कि इसे देश भर के भारतीयों का समर्थन प्राप्त है। आंदोलन ने पहली बार देश की जनता को इकट्ठा किया। अब किसान, मजदूर, दस्तकार, व्यापारी कर्मचारी, स्त्री-पुरुष, बच्चे, बूढ़े सभी लोग शामिल थे। इस तरह राष्ट्रीय आंदोलन के सामाजिक आधार का विस्तार हुआ।

ii) इसने कांग्रेस को जनकांग्रेस में तब्दील कर दिया अब कांग्रेस पर कोई आरोप नहीं लगा सकता था कि वह कुछ मुट्ठी भर लोगों का प्रतिनिधित्व करती है।

iii) आम जनता ने दमन एवं विपत्ति का सामना करने की अपनी क्षमता को प्रदर्शित किया।

iv) पहली बार यह प्रदर्शित हुआ कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता की भूख संपूर्ण राष्ट्र को है न कि सिर्फ धनी एवं पढ़े लिखे लोगों को।

v) इसने जनता को आधुनिक राजनीति से परिचय कराया और आजादी की भूख जगाई।

vi) विदेशी शासकों और सरकार की खुली अवज्ञा करने के प्रयत्न में जनता में आत्मविश्वास एवं आत्मसम्मान का नया बोध पैदा हुआ।

vii) इसने बड़ी संख्या में मुसलमानों की भागीदारी को दिखाया। भाईचारे की जो भावना इस आंदोलन में दिखाई दी (मालाबार को छोड़) वह बाद के वर्षों के लिए स्वप्न साबित हुई।

Pankaj
11/09/2020

Scanned with CamScanner